बिहार सरकार
लघु जल संसाधन विभाग।

पटना, दिनांकः–

पत्रांकः–

प्रेषक,

के0 के0 पाठक,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

E-Mail

सभी मुख्य अभियंता/
सभी अधीक्षण अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, बिहार।

विषय– **पंचायतों को हस्तगत किये जाने वाले नलकूपों का डी0पी0आर0 के सम्बन्ध में।**

महाशय,

आप अवगत हैं कि राज्य के सभी राजकीय नलकूप पंचायतों को हस्तगत करने पर विभाग में विचार चल रहा है। इस सम्बन्ध में जहाँ–जहाँ नलकूप खराब थे, उन सबका डी0पी0आर0 आपके कार्यपालक अभियतांओं से मांगा गया था और इन डी0पी0आर0 पर तकनीकी स्वीकृति आपके स्तर पर दी गयी है।

पुनः पिछले सप्ताह डी0पी0आर0 की समीक्षा करने पर यह पता चला है कि आपलागों ने तकनीकी स्वीकृति देते वक्त कई सावधानियाँ नहीं बरती है तथा एक ही मापदंड नहीं अपनाया गया है। जहाँ–जहाँ ऐसी स्थिति अभी तक प्रकाश में आयी है उन अधीक्षण अभियंताओं से भी पृच्छा की जा रही है।

आपको आदेश दिया जाता है कि आप अविलम्ब मुख्यालय में आकर अधीक्षण अभियंता (मो0) कोषांग से सम्पर्क कर डी0पी0आर0 की पुनः समीक्षा कर लें तथा जो गलतियाँ आपलोगों से हुई है उन्हें सुधार दें।

विश्वासभाजन

ह0/–
(के0 के0 पाठक)
प्रधान सचिव।

ज्ञापांक– 546 पटना, दिनांक– 21/01/19

प्रतिलिपि, सभी कार्यपालक अभियंता को इस निदेश के साथ प्रेषित। आप भी अपने स्तर पर देख लें कि जो प्राक्कलन सहायक अभियंता/ कनीय अभियंता द्वारा बनाया गया है उसमें जो विषंगतियाँ दृष्टिगोचर होती हैं, उससे अधीक्षण अभियंता (मो0) को अवगत कराया जाय।

प्रधान सचिव।

बिहार सरकार
लघु जल संसाधन विभाग।

पटना, दिनांकः- 21/01/19

पत्रांकः- 546

प्रेषक,

के0 के0 पाठक,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

E-Mail

सभी मुख्य अभियंता/
सभी अधीक्षण अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, बिहार।

विषय- पंचायतों को हस्तगत किये जाने वाले नलकूपों का डी0पी0आर0 के सम्बन्ध में।

महाशय,

आप अवगत हैं कि राज्य के सभी राजकीय नलकूप पंचायतों को हस्तगत करने पर विभाग में विचार चल रहा है। इस सम्बन्ध में जहाँ-जहाँ नलकूप खराब थे, उन सबका डी0पी0आर0 आपके कार्यपालक अभियतांओं से मांगा गया था और इन डी0पी0आर0 पर तकनीकी स्वीकृति आपके स्तर पर दी गयी है।

पुनः पिछले सप्ताह डी0पी0आर0 की समीक्षा करने पर यह पता चला है कि आपलागों ने तकनीकी स्वीकृति देते वक्त कई सावधानियाँ नहीं बरती है तथा एक ही मापदंड नहीं अपनाया गया है। जहाँ-जहाँ ऐसी स्थिति अभी तक प्रकाश में आयी है उन अधीक्षण अभियंताओं से भी पृच्छा की जा रही है।

आपको आदेश दिया जाता है कि आप अविलम्ब मुख्यालय में आकर अधीक्षण अभियंता (मो0) कोषांग से सम्पर्क कर डी0पी0आर0 की पुनः समीक्षा कर लें तथा जो गलतियाँ आपलोगों से हुई है उन्हें सुधार दें।

विश्वासभाजन

(के0 के0 पाठक)
प्रधान सचिव।